भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व ने चुनावी समय खेला ब्राह्मण चेहरे पर दाव

मोदी और शाह की पसंद सी.पी. जोशी बने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान में सतीश पूनिया का तीन साल का कार्यकाल दिसंबर माह में पूरा हो गया था। उसके बाद से ही राजस्थान में भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनने की चर्चाएं भी शुरू हो गई थी। राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी के चलते पार्टी किसी ऐसे चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहती थी जो कि निर्गुट हो। वहीं ऐसे व्यक्ति को भी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में चुनना चाहती थी जो आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी तरह से पार्टी के लिए काम कर सके और खुद विधानसभा चुनाव में किसी सीट से उम्मीदवार ना हो। वही किसी एक बड़ी जाति को भी उनके नाम के माध्यम से साधने का प्रयास हुआ है।

सीपी जोशी का चेहरा अभी केवल चित्तौड़गड़ और उदयपुर संभाग में ही ज्यादा सक्रिय रहा है। लेकिन अब सीपी जोशी प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के बड़े चेहरे के रूप में सामने आएंगे। वहीं असम का राज्यपाल बनने से उदयपुर संभाग में भाजपा के बड़े चेहरे के रूप में एक वैक्यूम पैदा हो गया था। जिसे भी सीपी जोशी के मार्फत भरने का प्रयास है। वहीं 58 साल के पूनिया के मुकाबले जोशी (47) यंग भी हैं। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह की ओर से जोशी की नियुक्ति संबंधी पत्र जारी किया गया। वही भाजपा ने विधानसभा चुनाव से ठीक आठ महीने पहले राजस्थान प्रदेश संगठन में बड़ा बदलाव करके सबको चौंकाया है। सतीश पूनिया की जगह चित्तौड़गढ़ से सांसद सीपी जोशी को भाजपा का नया प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें प्रदेशाध्यक्ष बनाकर भाजपा ने ब्राह्मण वोटर्स को मैसेज देने की कोशिश की है। ब्राह्मण भाजपा का सबसे बड़ा कोर वोटर रहा है। ऐसे में इस बड़े वर्ग को साधने के हिसाब से इस नियुक्ति को अहम माना जा रहा है। बीजेपी के पिछले 42 साल से ज्यादा के इतिहास में राजस्थान में 22 साल से ज्यादा प्रदेशाध्यक्ष इसी वर्ग से रहे हैं। जोशी भाजपा राजस्थान के 15वें अध्यक्ष और 7वें ब्राह्मण अध्यक्ष बने। इससे पहले हरिशंकर भाभड़ा, भंवरलाल शर्मा, ललित किशोर चतुर्वेदी, महेश चंद्र शर्मा, रघुवीर सिंह कौशल और अरुण चतुर्वेदी ब्राह्मण प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं।

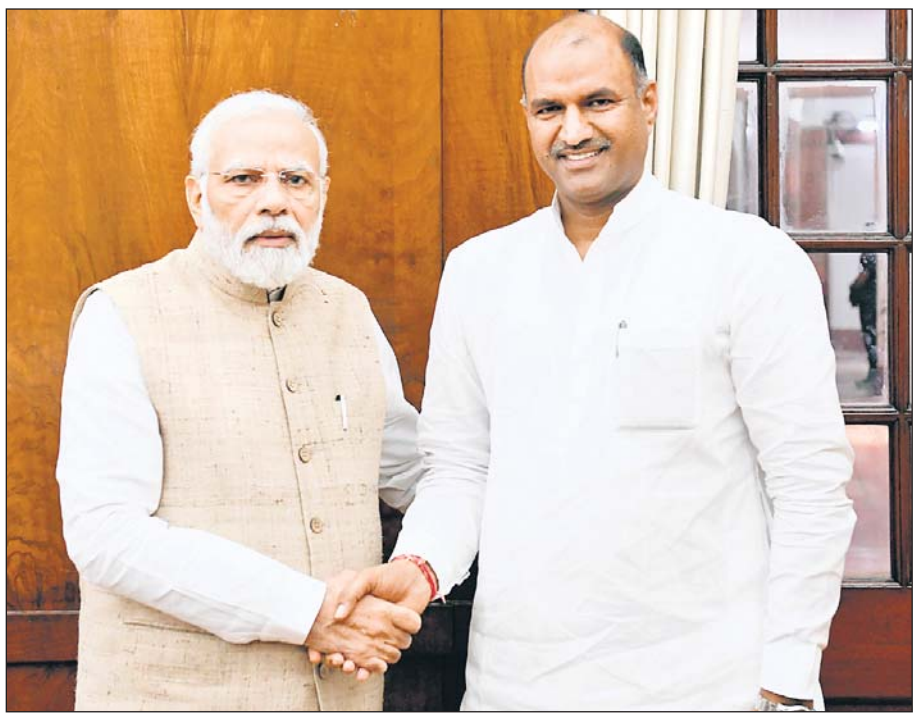

डॉ.सी.पी.जोशी के ट्विटर हैंडल से ली गई फोटो।

पूनिया प्रदेशाध्यक्ष के पद पर करीब साढ़े तीन साल तक रहे। वहीं नया प्रदेशाध्यक्ष बनाने की चर्चाओं में सीपी जोशी का नाम सबसे आगे था। प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद सीपी जोशी ने खुद को किसी भी गुट में होने से इनकार करते हुए सबको साथ लेकर चलने की बात कही है। वहीं जोशी के प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मिले। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिल कर सीपी जोशी ने साफ कर दिया की वे किसी गुट से नहीं आते हैं और उनको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिफारिश के बाद बनाया गया है। भाजपा में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर सतीश पूनिया के बीच लगातार आपसी खींचतान बढ़ रही थी। जनवरी में जब पूनिया का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी उनको प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बरकरार रखा गया तो दोनों में दूरियां ज्यादा बढ़ने लगी। पिछले दिनों वसुंधरा राजे के सालासर में हुए जन्मदिन कार्यक्रम को लेकर दोनों में अदावत काफी बढ़ गई थी। वसुंधरा राजे के जन्मदिन कार्यक्रम के दिन ही जयपुर में पार्टी की ओर से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन का कार्यक्रम तय होने की घटना से नाराज वसुंधरा समर्थक नेता इस बात को लगातार हवा दे रहे थे कि पूनिया वसुंधरा राजे को तवज्जो नहीं दे रहे। यह बात आम हो गई थी कि वसुंधरा राजे और सतीश पूनिया में बन नहीं रही है। कार्यकर्ताओं में भी लगातार नेगेटिव मैसेज जा रहा था और इससे पार्टी में नीचे तक गुटबाजी पनप रही थी। केंद्रीय नेतृत्व ने बीच का रास्ता निकालकर पूनिया का एक्सटेंशन रोककर नए अध्यक्ष के तौर पर सीपी जोशी का नाम घोषित कर दिया। भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व राजस्थान में चुनाव को देखते हुए सोशल इंजीनियरिंग पर भी फोकस किया है। मौजूदा समय में प्रदेश भाजपा में कोई भी ब्राह्मण चेहरा प्रमुख भूमिका में नहीं था। इसी तरह केंद्र की भाजपा सरकार और राष्ट्रीय संगठन में भी राजस्थान से कोई ब्राह्मण चेहरा प्रभावी भूमिका में नहीं है। राजस्थान से लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर भाजपा के कुल 28 सांसद हैं। केंद्रीय

- **प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद सासंद जोशी मिले प्रधानमंत्री मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से**

मंत्रिमंडल में राजस्थान की भागीदारी की बात करें तो चार मंत्री हैं। इनमें तीन लोकसभा सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल और कैलाश चौधरी और एक राज्यसभा सांसद भूपेंद्र यादव केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत गैर आरक्षित वर्ग से आते हैं, जबकि बाकी तीनों मंत्री आरक्षित वर्ग से हैं। इनमें एक एससी और दो ओबीसी वर्ग से हैं। लोकसभा अध्यक्ष के पद पर कोटा सांसद ओम बिड़ला हैं जो वैश्य वर्ग से आते हैं। वही उपराष्ट्रपति के पद पर जगदीप धनखड़ हैं जो जाट समुदाय से हैं। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व, केंद्रीय मंत्रिमंडल और राष्ट्रीय संगठन में कोई भी ब्राह्मण नेता प्रमुख भूमिका में नहीं होने के कारण सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने ब्राह्मणों को साधने की कोशिश की है। प्रदेश में ब्राह्मणों का बड़ा वोट बैंक है और माना जाता है। हाल ही जयपुर में हुई ब्राह्मण महापंचायत में भी ब्राह्मण समाज को राजनीतिक रूप से कम आंके जाने की बात उठी थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने के विरोध में जाट समाज के लोगों के द्वारा भाजपा कार्यालय के सामने प्रधानमंत्री मोदी अमित शाह का पुतला जलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी समाज के विरोधी हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा सभी समाज की पार्टी है। यहाँ अध्यक्ष किसी जाति का नहीं पार्टी कार्यकर्ता होता है। मेरा 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा हो चुका, नये अध्यक्ष पार्टी को और आगे ले जाएँगे। जो लोग भी भाजपा कार्यालय प्रदर्शन कर रहे हैं वह भाजपा कार्यकर्ता नहीं हैं।

'मोहरे बदलने से सत्ता नहीं बदलती'

भाजपा में प्रदेशाध्यक्ष बदलने के मौके का लाभ उठाते हुए मु.मंत्री गहलोत के गुणगान के कसीदे कसे

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस में कई दिनों से बदलाव को लेकर अटकलें चल रही है यहां तो बदलाव नहीं हुआ लेकिन भाजपा ने सतीश पूनियां के स्थान पर अब चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसी बहाने अपनी पार्टी के नेताओं को इशारों ही इशारों में हिदायत दे डाली और कहा कि मोहरे बदलने से सत्ता नहीं बदलती।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा के निर्णय में मुझे ज्यादा नहीं कहना, लेकिन मोहरे बदलने से सत्ता में नहीं आया जा सकता। उन्होंने कहा कि 4 साल से भाजपा प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने में फेल रही है। इनके पास न एकजुटता है, न ये जनता के मुद्दे उठा पाते हैं। जनता से जुड़े जितने भी मुद्दे हैं, उन्हें गहलोत की नेतृत्व वाली सरकार सॉल्व कर रही है। अच्छी गवर्नमेंट दे रही है और हम जनता के लिए काम कर रहे हैं। इसलिए कहना चाहता हूं कि मोहरे बदलने से कुछ नहीं होगा। आपको अपने विचार और अपनी विचारधारा को बदलना पड़ेगा।

- **यह कहकर डोटासरा ने नेतृत्व परिवर्तन की मांग करने वालों को निशाने पर लिया और कहा, ''सत्ता तो गहलोत की तरह जनहित के कार्य करने से आती है''**
- **इससे पहले प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर सिर्फ तीन मंत्री और 7 विधायक ही विरोध- प्रदर्शन में पहुंचे, जबकि सभी को अनिवार्य रूप से आने को कहा था**

डोटासरा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कामों की तारीफ करते हुए कहा कि सत्ता केवल गहलोत की तरह जनता की सेवा करने से ही आती है न कि एसी के कमरों में बैठकर ट्विटर पर अपनी बात रखने से। उन्होंने कहा कि जनता क्या चाहती है, उसके लिए अगर जनता की किसी भी पॉलिसी को बदलना है तो उसे बदलना पड़ेगा। केवल एसी में बैठकर ट्विटर के माध्यम से प्रचार करना सब कुछ नहीं होता। सत्ता में वह लोग आते हैं जो जनता के वेलफेयर के लिए काम करते हैं, उनके लिए कल्याणकारी नीतियां लाते हैं और जनता को लाभ पहुंचाते हैं। यह काम भाजपा नहीं कांग्रेस कर रही है।

इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आव्हान पर राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के लिए सभी मंत्रियों और विधायकों/विधानसभा उम्मीदवारों को बुलाया गया था, लेकिन तय समय के 1 घंटे बाद और विरोध कार्यक्रम के अंत तक सिर्फ तीन मंत्री और 7 विधायक ही विरोध प्रदर्शन में पहुंचे। वहीं कांग्रेस के विधानसभा उम्मीदवारों में भी दो-तीन ही प्रदर्शन में पहुंचे थे।

जोशी के अध्यक्ष बनने से भाजपा परिवार में खुशी का माहौल

जयपुर। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष सांसद सीपी जोशी को बधाई देते हुए प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

भाजपा में अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष बने मिलनसार व्यक्तित्व के धनी चित्तौडगढ़ के सांसद सीपी जोशी 2019 के लोकसभा चुनाव में पूरे देश में सबसे अधिक मतों से चुनाव जीतने वाले पहले 10 सांसदों में से थे। वही राजस्थान में बड़ी जीत के मामले में वो दूसरे नंबर पर थे, इससे उनकी लोकप्रियता का अनुमान लगाया जा सकता है। प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने सीपी जोशी को बधाई देते हुए कहा कि सरल, सौम्य एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी, लोकप्रिय युवा सांसद के कुशल संगठनात्मक नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा का और विस्तार कर कांग्रेस सरकार के कुशासन के खिलाफ संघर्ष करेंगे। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने उनकी नियुक्ति पर प्रसन्नता जाहिर की, उनको आगामी कार्यकाल की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से संगठन से जुडे विभिन्न दायित्वों का निवर्हन करने वाले जोशी निश्चित ही पार्टी को सफलता के नए मुकाम पर लेकर जाएंगे। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री और राजस्थान की सह-प्रभारी विजया राहटकर ने जोशी की नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनका सहज एवं विनम्र व्यक्तित्व पार्टी से नए एवं ऊर्जावान युवाओं को पार्टी से जोड़ने में सहायक होगा। निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जोशी को बधाई देते हुए उनकी नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार व्यक्ति किया, उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर 2023 में राजस्थान को कांग्रेसमुक्त बनाकर भाजपा बहुमत की सरकार बनाएगी।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी ने सांसद सीपी जोशी को भाजपा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जोशी के राजनीतिक अनुभव का भाजपा को निश्चित ही लाभ मिलेगा।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सांसद सीपी जोशी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश भाजपा संगठन और अधिक सुदृढ़ होगा। पार्टी नये किर्तिमान स्थापित करेंगी। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि, पार्टी की निष्कर्म सेवा का पर्याय सांसद सीपी जोशी को पार्टी का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई। केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने जोशी की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, भाजपा निश्चित रूप से आपके अनुभव और कार्यशैली में मरूधरा में किर्तीमान स्थापित करेगी।

केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने सांसद सीपी जोश का शुभकामना देते हुए कहा कि आपके कुशल नेतृत्व में प्रदेश भाजपा संगठन और अधिक मजबूत होगा। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओम माथुर ने सांसद सीपी जोशी को बधाई देते हुए कहा कि 2023 में उनके नेतृत्व में पार्टी निश्चित ही फतेह करेगी। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने सांसद जोशी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भाजपा कांग्रेस सरकार के कुशासन के खिलाफ मजबूत संघर्ष जारी रखेगी। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने सीपी जोशी को बधाई देते हुए कहा कि, आपके नेतृत्व में संगठन दिन दुगनी और रात चौगुनी तरक्की करेगा और 2023 और 2024 में हम भाजपा की ऐतिहासिक जीत प्राप्त करेंगे।

पूनियां ने जताया केन्द्रीय नेतृत्व का आभार

जयपुर। भाजपा के निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने सांसद सीपी जोशी को प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद बयान देते हुए कहा कि मैं हृदय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं, और पार्टी के निर्णय का स्वागत करता हूं। यह भाजपा ही है जो सदैव समय-समय पर नए नेतृत्व को तैयार करती है, अवसर देती है और आगे बढ़ाती है। सांसद सीपी जोशी के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नामित होने से पार्टी को और ज्यादा ताकत मिलेगी, हम सब मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 2023 में कांग्रेस को सत्ता से बाहर करेंगे और भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएंगे और 2024 में तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे। पार्टी ने मुझे पूरे 3 वर्ष संगठनात्मक काम के लिए दिये और मैंने भी कोरोना के भीषण संकट में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंशा के अनुरूप रचनात्मक कार्यों द्वारा सहभागिता दी, पार्टी के सेवा ही संगठन के इस कार्य में प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने करोड़ों जरूरतमंदों की भोजन, राशन, दवाइयां इत्यादि कार्यों द्वारा सेवा की।

अब जल्द ही होगी नेता प्रतिपक्ष की घोषणा

जयपुर। भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व की ओर से पिछले करीब एक माह से खाली पड़े नेता प्रतिपक्ष के पद की घोषणा होने की सम्भावना है। बताया जा रहा है कि पहले प्रदेशाध्यक्ष के पद पर घोषणा होने थी अब प्रदेशाध्यक्ष के पद पर घोषणा होने के बाद अब जल्द ही घोषणा होगी। वहीं केन्द्रीय नेतृत्व की ओर से चुनावी समीकरणों को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष की घोषणा की जाएगी। केन्द्रीय नेतृत्व के द्वारा प्रदेशाध्यक्ष पद पर ब्राह्मण के चहरे पर दाव खेला है तो नेता प्रतिप़क्ष के पर पर जाट, राजपूत या पिछड़ी जातियों में एक जाति को मौका दिया जा सकता है। वही सीपी जोशी के प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद अब सतीश पूनियां को नेता प्रतिपक्ष बनाने की चर्चा जोरो पर हैं।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

दिव्या मित्तल का केस क्यों नहीं हुआ सूचीबद्ध?

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के निलंबित एडी.एसपी दिव्या मित्तल की जमानत याचिका तय समय पर सूचीबद्ध नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार न्यायिक को निर्देश दिए हैं कि वह प्रकरण की जांच कर संबंधित अधिकारियों की सूची तैयार करे। अदालत ने रजिस्ट्रार से यह भी बताने को कहा है कि ऐसे कितने मामले में हैं, जिनमें अदालती आदेश के बावजूद भी केस तय समय पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया। वहीं अदालत ने दिव्या मित्तल की जमानत याचिका को अन्य एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश दिव्या मित्तल की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए दिए।

दरअसल गत 16 फरवरी को याचिकाकर्ता दिव्या की ओर से उनके वकील ने मामले की सुनवाई एक सप्ताह टालने की गुहार की थी।

हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने फायरमैन भर्ती-2018 की दक्षता परीक्षा में अनियमिता से जुडे मामले में स्वायत्त शासन सचिव और कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब मांगा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश मुकेश कुमार शर्मा व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि 10 अगस्त 2021 को फायरमैन ने छह सौ पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई।

आंदोलनकारी निजी चिकित्सकों ने जे.एल.एन. मार्ग पर जे.सी.बी. लगाकर रास्ता जाम किया

राइट टू हैल्थ विधेयक के विरोध में निजी अस्पतालों के चिकित्सकों का आंदोलन गुरूवार को भी जारी रहा

जयपुर,(कासं)। राइट टू हैल्थ विधेयक के विरोध में निजी अस्पतालों के चिकित्सकों का आंदोलन गुरूवार को भी जारी रहा। इस दौरान प्रदेश के अधिकांश निजी अस्पतालों में मरीजों का इलाज नहीं किया गया। वहीं आंदोलन का समर्थन कर रहे रेजीडेंट डॉक्टर्स ने एसएमएस अस्पताल में आज भी कार्य बहिष्कार किया। उधर सेवारत चिकित्सकों ने अस्पताल समय के बाद प्राइवेट प्रैक्टिस का पूर्णत: बहिष्कार करने का ऐलान किया है। वहीं दूसरी ओर प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने चरक भवन के समक्ष जेएलएन मार्ग पर जेसीबी से रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इधर, राहत की बात रही कि बुधवार को दो घंटे के कार्य बहिष्कार के बाद सीनियर डॉक्टर्स काम पर लौट आए। इसके बाद उनकी इमरजेंसी वार्ड में राउंड द क्लॉक ड्यूटी लगाई गई। मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो इसके लिए ओपीडी में अतिरिक्त चिकित्सक लगाए गए हैं। इस दौरान सबसे अधिक भीड़ मेडिसिन विभाग में देखने को मिल रही है जिसको देखते हुए प्रशासन ने विभाग की दो अलग-अलग विंग ओपीडी में शुरू कर दी है।

रेजिडेंट चिकित्सकों की हड़ताल पर चले जाने के बाद एसएमएस अस्पताल में इलाज को लेकर लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। रेजिडेंट चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार को देखते हुए अब सिर्फ जरूरी सर्जरी ही की जा रही है, जबकि रूटीन ऑपरेशन को फिलहाल टाल दिया गया है। प्रदेश के करीब 2000 से अधिक निजी अस्पतालों में हड़ताल के कारण सरकारी अस्पतालों में मरीजों का दबाव बढ़ने लगा है। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के अध्यक्ष डॉ. नीरज डामोर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की गई है, लगभग सभी अस्पताल नि:शुल्क इलाज इस योजना के तहत मरीजों को उपलब्ध करवा रहे हैं। ऐसे में राइट टू हेल्थ बिल की आवश्यकता नहीं थी, लेकिन फिर भी सरकार ने यह बिल चिकित्सकों पर थोप दिया। सवाई मानसिंह सहित सभी मेडिकल कॉलेजों वाले हॉस्पिटल्स में दिनोंदिन मरीजों की संख्या बढ़ रही है। गुरुवार को सार्वजनिक अवकाश से मरीजों को ज्यादा परेशानी उठानी पडी। इस दौरान दो घंटे की ओपीडी रखी गई और सुबह से यहां मरीजों की कतार लग गई। वहीं रेजीडेंट्स की अनुपस्थिति के कारण गंभीर मरीजों को ही अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है।

राइट टू हैल्थ विधेयक के विरोध में निजी अस्पतालों के चिकित्सकों का आंदोलन गुरूवार को जारी रहा।

राजधानी में निजी चिकित्सक दोपहर को जेएमए सभागार के बाहर एकत्र हुए और आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की। इस दौरान चिकित्सक जेएलएन मार्ग पर आ गए और रास्ता रोक दिया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और रास्ता खुलवाया। इसके कुछ देर बाद ही चिकित्सक जेसीबी लेकर सड़क पर आ गए और फिर रास्ता जाम कर दिया। इस दौरान कई लोगों की चिकित्सकों से कहासुनी भी हुई। इस बीच एक कैब चालक को रास्ता नहीं देने पर उसकी डॉक्टरों से झड़प हो गई। बाद में पुलिस ने मामला शांत कराया। प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसाइटी के सचिव डॉ. विजय कपूर ने बताया कि जेएमए सभागार में हुई बैठक में बड़ी संख्या में चिकित्सक जुटे और आंदोलन की आगे की रणनीति पर अपने सुझाव दिये। रोजाना आंदोलन को मिल रहे समर्थन को देखते हुए इसकी सुचारू कार्यप्रणाली के उद्देश्य से विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। इस बिल की संवैधानिक वैधता एवं अन्य विसंगतियों पर क़ानून एवं संविधान विशेषज्ञों के साथ विचार विमर्श किया गया। राज्य सरकार द्वारा इस क़ानून को पारित किए जाने के बाद अन्य राज्य सरकारो द्वारा भी इस तरह के क़ानून लाए जाने की संभावनाओं के मद्देनज़र अन्य प्रदेशों के चिकित्सक संघटनों ने भी आंदोलनकारियों के साथ चर्चा की।

बिल के विरोध में गुरुवार शाम को डॉक्टरों ने आरडी हॉस्टल से अल्बर्ट हॉल तक कैंडल मार्च निकाला। हालाकि यह कैंडल मार्च कुछ देर बाद मोबाइल टॉर्च मार्च में बदल गया। इस दौरान मौसम बदलने की वजह से तेज हवाएं चली। जिसके चलते कुछ देर बाद कैंडल बुझ गई। इसके बाद डॉक्टरों ने अपने मोबाइलों की टॉर्च को शुरू कर लिया। फिर टॉर्च की रोशनी में मार्च निकाला गया। इस दौरान डॉक्टरों ने गहलोत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। डॉक्टरों ने कहा कि उनका विरोध तब तक जारी रहेगा। जब तक यह बिल वापस निरस्त नहीं होगा।

इस बीच निजी चिकित्सकों के आंदोलन को समर्थन देते हुए अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अजय चौधरी ने घोषणा की है कि सेवारत चिकित्सक अपने अस्पताल समय के बाद प्राइवेट प्रैक्टिस का पूर्णत: बहिष्कार करेंगे। उन्होंने कहा कि बिल में कई प्रावधान ऐसे हैं जो चिकित्सक के इमरजेंसी के समय लिए जाने वाले निर्णय पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

- **सेवारत चिकित्सकों ने अस्पताल समय के बाद प्राइवेट प्रैक्टिस का पूर्णतः बहिष्कार करने का ऐलान किया है।**
- **एसएमएस सहित अन्य बड़े अस्पतालों में मरीजों का दबाव बढ़ने से कई ऑपरेशन टले। मरीज हुए परेशान**

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि H.Board की मालवीय नगर योजना में फ्लेट नं. 10/852 G.F. का अलोटमेंट/ कब्जा पत्र क्रमांक 3360 दिनांक 30.03.91 जो कि दिनेश अग्रवाल पुत्र स्व. श्री वृज बिहारी गुप्ता के नाम से है, वो खो गया है। जिसकी रिपोर्ट LR No. 1756923/2023 दिनांक 22.03.2023 दर्ज करा दी गई है। उक्त संपति के लिए विजय गुर्जर S/o श्री बिरदी चन्द गुर्जर ने SBI में ऋण हेतु आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिवस में सम्पर्क करें। मिलने पर सूचित करें। दिनेश अग्रवाल - 9001896122

आम सूचना-हर आम व खास को जरिये इस आम सूचना के सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री महावीर चौधरी पुत्र श्री नेमीचंद चौधरी, निवासी सी-2/11, एल.आई.सी. फ्लैट, विद्यादर नगर, सेक्टर संख्या-2, जयपुर के पास अपने स्वामित्व का कब्जे शुदा भूखण्ड प्लाट संख्या ए-102 बालाजी विहार-25, बेनाड रोड, जयपुर है जिसका कुल क्षेत्रफल 196.25 वर्गगज है उक्त भूखण्ड का मेरा अभिभाष्य एक मात्र मालिक व स्वामी है जिसमें किसी का कोई सीर-साँझा नहीं है तथा उक्त भूखण्ड को मेरे अभिभाष्य ने कभी भी किसी को बेचने बाबत कोई इकरारनामा या अन्य दस्तावेज निष्पादित नहीं किया हुआ है फिर भी मेरे अभिभाष्य के उपरोक्त वर्णित भूखण्ड बाबत कोई व्यक्ति या फर्म किसी भी प्रकार के दस्तावेज से यदि मालिकाना या अपना अन्य हित कलेम करता है तो वह पूर्णतया अवैध व शून्य है तथा चूंकि अब मेरे अभिभाष्य को रूपयों की आवश्यकता है इसलिए मेरा अभिभाष्य उक्त भूखण्ड का बेचान करेगा, इसलिए उक्त आम सूचना के द्वारा मेरा अभिभाष्य हर आम व खास को सूचित करता है कि यदि किसी भी व्यक्ति या फर्म को मेरे अभिभाष्य के उपरोक्त वर्णित के भूखण्ड के बेचान पर आपत्ति हो तो उक्त आम सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस में अपनी आपत्ति मुझे लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त आम सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस पश्चात किसी भी व्यक्ति या फर्म की कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी व मेरे अभिभाष्य के उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति या फर्म का विक्रय इकरारनामा या अन्य दतावेज पूर्णतया निरस्त व रद्द माना जावेगा। अतः सूचित रहें।

दिनांक- 21.03.2023 अरुण सिंह शेखावत
अधिवक्ता लॉयर्स चैम्बर नंबर 261, ई ब्लॉक, राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर मो. 9166106999

नाम परिवर्तन

I, 15682964H Hav Sunil Prasad, R/o Vill.- Kamlu Toli, Post- Chutia, Dist.- Ranchi (Jharkhand), have changed my daughter name from Aarchi to Aarchi Prasad. Vide affidavit no. 5216 Dt. 23.03.2023

मैं, विकास यादव पुत्र चन्द्रशेखर यादव मेरी सही जन्मतिथि 01.01.2003 है जो कि मार्कशीट, आधार कार्ड व अन्य समस्त दस्तावेजों में दर्ज है एवं भविष्य के सभी कारणों के लिए भी उक्त जन्मतिथि ही सही समझी जावे।

मेरे शैक्षिणक प्रमाण पत्रों में मेरा नाम विजय सिंह दर्ज है, परन्तु मेरा वास्तविक नाम विजय सिंह शर्मा है भविष्य में मुझे विजय सिंह शर्मा पुत्र केदारनाथ शर्मा निवासी -8, द्वारिकापुरी लेन, जमनालाल बजाज मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर के नाम से ही जाना जावे।

प्रपत्र संख्या-7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को (नाम,वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 39/2022

चूंकि श्री सुरेश चन्द्र कूलवाल पुत्र स्व. श्री नाथूलाल कुलवाल निवासी फ्लैट नं. 203 अक्षत रूप गुलाब द मिस्टिक, प्लाट नं. ए-6-1 महावीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री कल्याण सेवा ट्रस्ट फ्लैट नं. 203 अक्षत रूप गुलाब द मिस्टिक, प्लाट नं. ए-6-1 महावीर मार्ग, सी-स्कीम जयपुर-302005 प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 21.02.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 25.04.2023

मोहर अदालत

रतनलाल योगी (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

खोया-पाया

199, मूंडिया रामसर पुनर्वास योजना का मूल आवंटन पत्र खो गया, मिलने पर सूचित करें। लक्ष्मण पुत्र श्री रामकरण मो. 9928227123

बाबा आर.एन. गौड गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेडजयपुर योजना श्री नगर ग्राम बम्बाला टोल टैक्स टोंक रोड, सांगानेर जयपुर के प्लाट नं. 146-ए, के मूल पट्टा, साईट प्लान, रसीद खो गयी है। मिलने पर सूचित करें। अशोक चौधरी-9664417257

ग्राम वाटिका, तहसील सांगानेर जिला जयपुर की कृषि भूमि का खसरा नंबर 2062 रकबा 0.06 हैक्टेयर के समस्त कागज कहीं गुम हो गये हैं मिलने पर सूचित करें। मंजू जैन पत्नी निर्मल जैन 8278681679

दिनांक 21.3.2023 को पानीपेच तिराया IG Office से घर